सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 319 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार, 28 दिसम्बर, 2024
मूल्य ₹ 3/-

आजादी की रक्षा केवल सैनिकों का काम नही है। पूरे देश को मजबूत होना होगा।
-लाल बहादुर शास्त्री

नीतीश रेड्डी ने बचाई भारतीय... 7 | भारतीय अर्थतंत्र के शिल्पी थे... 3 | देश को विकास पथ पर ले जाने... 2

अनंत यात्रा पर मनमोहन

गूंजा- जब तक सूरज चांद रहेगा, मनमोहन तेरा नाम रहेगा

पंचतत्व में विलीन हुए पूर्व प्रधानमंत्री

» राजकीय सम्मान के साथ किया गया अंतिम संस्कार

» राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री व नेता प्रतिपक्ष ने दी अंतिम विदाई

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश की अर्थव्यवस्था को नई दशा व दिशा देने वाले भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह शनिवार को पंचतत्व में विलीन हो गए। दिल्ली के निगम बोध घाट पर राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया।

इससे पहले, -राष्ट्रपति मुर्मू, पीएम मोदी, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे व पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी समेत देश के तमाम नेताओं ने श्रद्धांजलि दी। बता दें पूर्व पीएम मनमोहन भारतीय राजनीति की ऐसी शख्सियत थे जो बेहद कम बोलते थे। मगर जब बोलते, तो सभी उनकी बात सुनते थे। अब वह शख्सियत हमेशा के लिए मौन हो गई। मनमोहन सिंह ने 92 वर्ष की आयु में दिल्ली एम्स में गुरुवार रात अंतिम सांस ली थी। प्रधानमंत्री मोदी, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू समेत अन्य गणमान्य लोग निगम बोध घाट पर मौजूद रहे। इससे पहले तीनों सेनाओं के प्रमुखों ने भी पूर्व पीएम को सलामी दी। इस अवसर पर पूर्व पीएम को 21 तोपों की सलामी भी दी गई।

भूटान के राजा और मॉरीशस के विदेश मंत्री भी पूर्व पीएम को श्रद्धांजलि देने पहुंचे

भूटान के राजा जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक और मॉरीशस के विदेश मंत्री मनीष गोबिन भी पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए निगम बोध घाट पहुंचे हैं।

राहुल गांधी ने भी दिया कंधा

इस अंतिम यात्रा के दौरान कांग्रेस के सांसद व नेता प्रतिपक्ष लोस राहुल गांधी ने पूर्व पीएम की पार्थिव देह को कंधा दिया। अंतिम संस्कार के समय उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, राजनाथ सिंह आदि ने निगम बोध घाट पर पहुंचकर मनमोहन सिंह को दी अंतिम श्रद्धांजलि दी। कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने मनमोहन सिंह को अंतिम बार निगम बोध घाट पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

कांग्रेस मुख्यालय में दी गई श्रद्धांजलि, उमड़ी भीड़

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की अंतिम यात्रा शनिवार सुबह कांग्रेस नेताओं की ओर से अपने दिवंगत नेता को श्रद्धांजलि देने के बाद अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी मुख्यालय से शुरू हुई। फूलों से सजे वाहन में सिंह का पार्थिव शरीर जुलूस के रूप में मनमोहन सिंह अमर रहे, के नारों के बीच कांग्रेस मुख्यालय से रवाना हुआ। बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और नेताओं के साथ-साथ सिंह के सैकड़ों शुभचिंतक भी साथ-साथ चल रहे थे और इस दौरान हवा में जब तक सूरज चांद रहेगा, तब तक तेरा नाम रहेगा के नारे गूंज रहे थे। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी भी सिंह के रिश्तेदारों के साथ जुलूस में शामिल हुए। सिंह का पार्थिव शरीर सुबह 9 बजे से कुछ पहले 3, मोतीलाल नेहरू मार्ग स्थित उनके आवास से अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी मुख्यालय ले जाया गया। पार्थिव शरीर को वहां लगभग एक घंटे तक रखा गया, जहां मल्लिकार्जुन खरगे, सोनिया गांधी और राहुल गांधी सहित कई शीर्ष कांग्रेस नेताओं ने उन्हें अंतिम श्रद्धांजलि दी।

देश को विकास पथ पर ले जाने का श्रेय मनमोहन सिंह को : अखिलेश

» सीएम योगी, मायावती व अजय राय सहित कई नेताओं ने पूर्व पीएम को दी श्रद्धांजलि

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। देश के पूर्व प्रधानमंत्री और दुनिया के प्रख्यात अर्थशास्त्री दिवंगत डॉ. मनमोहन सिंह को यूपी के सभी बड़े नेताओं ने याद किया। सीएम योगी, पूर्व सीएम मायावती अखिलेश व अन्य नेताओं ने उन्हें महान नेता बताया। पूर्व पीएम के निधन पर यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री एवं प्रख्यात अर्थशास्त्री डॉ. मनमोहन सिंह जी का निधन अत्यंत दु:खद एवं भारतीय राजनीति की अपूरणीय क्षति है। वित्त मंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने देश की शासन व्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया। उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि!

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एक्स पर कहा कि सत्य और सौम्य व्यक्तित्व के धनी महान अर्थशास्त्री भूतपूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह जी का निधन एक अंतरराष्ट्रीय अपूरणीय क्षति है। उन्होंने देश के विकास में बड़ा योगदान दिया। पूर्व पीएम को भावभीनी श्रद्धांजलि! वहीं पूर्व कांग्रेसी व भाजपा की वर्तमान नेता अदिति सिंह ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का निधन देश के लिए एक दु:खद समाचार है... उनके द्वारा किए गए आर्थिक सुधारों ने देश को बदलने का काम किया है... वे एक सादगी पसन्द व्यक्ति थे... आज राजनीति से हटकर सारा देश उन्हें श्रद्धांजलि दे रहा है।

पूर्व पीएम ने अर्थव्यवस्था के सुधार में दिया खास योगदान : मायावती

बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा कि देश के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का आज रात निधन होने की खबर अति-दुखद है। भारत की अर्थव्यवस्था के सुधार में उनका खास योगदान रहा। वे नेक इंसान थे। उनके परिवार व सभी चाहने वालों के प्रति मेरी गहरी संवेदना।

देश सदैव उनका ऋणी रहेगा : अजय राय

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि सियासत में सादगी के प्रतीक पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह जी ने दुनिया को अलविदा कह दिया। यह सूचना बेहद पीड़ादायक है। आर्थिक सुधार, परमाणु समझौता और मनरेगा जैसी योजनाएं उनके दूरदर्शी और देश को समृद्धि के शिखर पर ले जाने वाली सोच का ही परिणाम थीं। यह देश उनके योगदान का सदैव ऋणी रहेगा। भावभीनी श्रद्धांजलि।

सीएम सुक्खू सिद्ध करें कारोबारी से है मेरा रिश्ता : अनुराग ठाकुर

» ईडी की कार्रवाई पर गरमाई हिमाचल प्रदेश की सियासत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हमीरपुर। हिमाचल में क्रशर कारोबारी पर ईडी की छापेमारी मर सियासी बवाल मचा है। भाजपा व कांग्रेस में तलवरों खींच गई हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री व भाजपा नेता अनुराग ठाकुर ने कहा है कोई सिद्ध कर दे कि उनका नादौन के किसी कारोबारी से रिश्ता है। यदि वोट डालने से रिश्ता होता है तो पूरे हिमाचल से उनका रिश्ता है। काम धंधे का रिश्ता उनके साथ उन्हें जवाब देना चाहिए।

पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सांसद अनुराग ठाकुर ने सीएम सुक्खू के विधानसभा में ईडी की कार्रवाई के दायरे में क्रशर कारोबारी पर दिए गए बयान पर यह पलटवार किया है। अपने कार्यालय में उन्होंने यह बातें कही। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि यदि सीएम सुक्खू को यह जानकारी की वोटिंग मशीन में कौन किसे वोट डाल रहा है तो यह बड़े प्रश्न खड़े करता है। यहां किस तरह के समर्थन की बात की जा रही है यह अहम है। बीते दिनों सीएम सुक्खू ने विधानसभा में यह बयान दिया था कि उनका ईडी की ओर से गिरफ्तार किए गए क्रशर कारोबारी से कोई रिश्ता नहीं है। कारोबारी विधानसभा में उनका और लोकसभा में अनुराग ठाकुर का वोटर है। भाजपा नेताओं के कारोबारी से सीएम के रिश्तों पर सवाल खड़े किए जाने पर यह जवाब दिया गया था। वहीं अब अनुराग ठाकुर ने इस बयान पर पलटवार किया है।

संघी महिलाओं का करते हैं अपमान : लालू प्रसाद

» लोक गायिका देवी के ईश्वर अल्लाह तेरो नाम पर गहराये विवाद पर राजद सुप्रीमो ने की टिप्पणी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। लोक गायिका देवी के द्वारा ईश्वर अल्लाह तेरो नाम पर अब विवाद गहराने लगा है। इस मामले पर राष्ट्रीय जनता दल के अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव ने भाजपा पर महिला का अपमान करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि संघियों और भाजपाइयों को जय सियाराम, जय सीताराम के नाम एवं नारे से शुरू ही नफरत है, क्योंकि उसमें माता सीता की जयकारा है।

लालू प्रसाद यादव ने कहा कि ये लोग (भाजपा) शुरू से ही महिला विरोधी हैं और जय श्री राम' के नारे के साथ आधी आबादी महिलाओं का भी अपमान करते हैं। लालू प्रसाद यादव ने आगे कहा कि गायिका देवी ने कल कार्यक्रम में बापू के नाम पर निर्मित सभागार में बापू का भजन गाकर उसने सीताराम बोल दिया तो भाजपाइयों ने माइक पर उससे माफ़ी मंगवाई तथा माता सीता के जय सीताराम की बजाय जय श्रीराम के नारे लगवाए। उन्होंने कहा कि ये संघी सीता माता सहित महिलाओं का अपमान क्यों करते है?

एआई को प्रचार का हथियार बना रहीं सियासी पार्टियां

» आप-बीजेपी व कांग्रेस दिल्ली विस चुनाव के लिए तैयार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली विधान सभा चुनाव के एलान से पहले ही आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) ने रफ्तार पकड़ ली है। इस तकनीक के इस्तेमाल से प्रमुख दल समेत उनके समर्थकों ने एक-दूसरे पर निशाना साधने के लिए सोशल मीडिया पर पहुंच बढ़ाई है। ग्राफिक्स, फोटो व वीडियो एडिटिंग और डीपफेक के जरिये बने वीडियो को हजारों की तादाद में लाइक मिल रहे हैं।

दिलचस्प यह है कि इनको बनाने की प्रक्रिया में अलग से किसी व्यक्ति की जरूरत नहीं पड़ती। कुछ शब्दों की कमांड और मांगी गई सूचना पलक झपकते आपके सामने आ जाती है। नेता ही नहीं, आम लोग व उनके समर्थक इसकी मदद से वोट की अपील कर रहे हैं। मजेदार बात यह कि इस तरह के कंटेट में शख्सियत विशेष की असली आवाज भी जेनरेट की गई है। दिल्ली में पार्टियों व उम्मीदवारों के प्रचार अभियान से जुड़े तकनीकी विशेषज्ञ बताते हैं कि इस वक्त नेताओं की डीपफेक वीडियो बनाने में एआई मददगार बन रहा है। इसमें एआई आधारित जीपीटी (जेनरेटिव प्री-ट्रेन्ड ट्रांसफॉर्मर) सबसे आगे है। विषय व क्षेत्र विशेष पर कंटेंट तैयार करने की कमांड देते ही सामने पूरा लेख आ जाता है।

एआई के जरिये डॉ. आंबेडकर से मिले केजरीवाल

सोशल मीडिया पर एक वायरल वीडियो में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर से आशीर्वाद लेते नजर आ रहे हैं। वीडियो में वह कहते नजर आ रहे हैं, मुझे शक्ति दीजिए बाबा साहेब। ताकि मैं उन लोगों से लड़ सकूं जो आपका और आपके संविधान का अपमान करते हैं। इस पर डॉ. आंबेडकर को एआई के मदद से उनके सर हाथ फेरते दिखाया गया है। वहीं, इसके विपरीत एक और क्लिप वायरल हो रही है, जिसमें डॉ. आंबेडकर उनसे नाराज दिख रहे हैं और वीडियो के अंत में उन पर हाथ भी चला देते हैं। हालांकि, दोनों वीडियो का आम यूजर खूब लुत्फ उठा रहे हैं।

एआई की मदद से आप पर निशाना साध रही भाजपा

सोशल मीडिया पर वायरल दूसरी वीडियो में भाजपा एआई की मदद से आप पर निशाना साधती दिख रही है। वीडियो में एआई की मदद से दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी और अरविंद केजरीवाल की बातचीत दिखाई गई है। इसमें उनको 2019 में आई छात्रवृत्ति योजना के बारे में बोलते दिखाया गया है। वीडियो में केजरीवाल का एआई यह बोलता नजर आ रहा है कि अब यही योजना को बदलकर उन्होंने अंबेडकर छात्रवृत्ति योजना बनाकर दोबारा पेश किया है। भाजपा इसे आप का षड़यंत्र बता रही है।

भाजपा सरकार में महंगाई व बेरोजगारी चरम पर : चंद्रशेखर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शाहगढ़ (अमेठी)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व के निर्देश पर विधानसभा क्षेत्र के सभी सेक्टर में पीडीए (पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक) चर्चा कार्यक्रम हो रहे हैं। कार्यक्रम में ग्रामीणों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

गौरीगंज विधानसभा क्षेत्र के कटरा शाहगढ़ सेक्टर 32 में शुक्रवार को सपा विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष चंद्रशेखर यादव की अध्यक्षता में बैठक हुई। इसमें पीडीए के परिप्रेक्ष्य में सामाजिक एवं राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा हुई। विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि भाजपा की सरकार बाबा साहब के संविधान को हटाना चाहती है। इस सरकार में महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार चरम पर है। इन मुद्दों से जनता का ध्यान भटकाने के लिए भाजपा सरकार धार्मिक मुद्दों को आगे कर देती है। सरकारी नौकरियों में आउटसोर्सिंग की व्यवस्था लागू कर आरक्षण को समाप्त करने की कोशिश की जा रही है। इस मौके पर ओम परकाश यादव, अर्जुन, शेष नारायण, हरिकेश, अनिल कुमार, राम ललन यादव आदि मौजूद रहे।

भारतीय अर्थतंत्र के शिल्पी थे मनमोहन

वित्तमंत्री के रूप में न्यू इंडिया की नींव भी रखी

» देश में कई आर्थिक कानूनों में सुधार किया

» पीएम के रुप में देश को दी नई ऊंचाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। 1991 में जब डॉ. मनमोहन सिंह देश के वित्तमंत्री थे तब उन्होंने न्यू इंडिया की नींव रखी थी। वे भारतीय अर्थव्यवस्था के शिल्पी थे। उस वर्ष जब कांग्रेस की नई सरकार बनी तो उसे विरासत में बदहाल भारत मिला था जहां की अर्थव्यवस्था चरमराई हुई थी, विदेशी बैंको में देश का टनों सोना गिरवी रखा हुआ था। उन्हे तत्कालीन प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव ने जब वित्त मंत्री बनाया तो सबसे पहले उन्होंने देश की आर्थिक स्थिती को सुदृढ़ करने को कई कदम उठाये जिसमें सबसे बड़ा फैसला भारतीय अर्थव्यवस्था का उदारीकरण करना था। उसके बाद उन्होंने लाइसेंस व्यवस्था व कई ऐसे चीजों को समाप्त किया जिससे अर्थव्यस्था को हानि हो रही थी।

कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य रहे डा. मनमोहन सिंह 2004-14 तक भारत के प्रधानमंत्री,1991-96 वित्तमंत्री, 1985-87 योजना आयोग के उपाध्यक्ष,1982-85 गवर्नर आरबीआई,1972-76 भारत के वित्त सलाहकार,1966-69 संयुक्त राष्ट्र संघ में कार्यरत रहे। वित्म मंत्री बनने पर मनमोहन सिंह ने कहा था कि सुधार प्रक्रिया का मुख्य उद्देश्य औद्योगिक उत्पादन की दक्षता और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाना होगा ताकि इस उद्देश्य के लिए विदेशी निवेश और विदेशी प्रौद्योगिकी का उपयोग उत्पादकता बढ़ाने के लिए अतीत की तुलना में कहीं अधिक हद तक किया जा सके। निवेश का, यह सुनिश्चित करने के लिए कि भारत के वित्तीय क्षेत्र का तेजी से आधुनिकीकरण हो, और सार्वजनिक क्षेत्र के प्रदर्शन में सुधार हो, ताकि हमारी अर्थव्यवस्था के प्रमुख क्षेत्र तेजी से बदलती वैश्विक अर्थव्यवस्था में पर्याप्त तकनीकी और प्रतिस्पर्धी बढ़त हासिल करने में सक्षम हो सकें।1991 में भारतीय अर्थव्यवस्था का रुख मोड़ते हुए, तत्कालीन वित्त मंत्री मनमोहन सिंह ने देश को सबसे गंभीर वित्तीय संकट से बाहर निकालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पीवी नरसिम्हा राव के नेतृत्व वाली सरकार के तहत, मनमोहन सिंह को यह सुनिश्चित करने के लिए कई स्तरों के परीक्षणों से गुजरना पड़ा कि उनके 1991-92 के केंद्रीय बजट को पूरे देश में स्वीकार किया गया और अभूतपूर्व परिणाम मिले। भारत, उस समय, कम विदेशी मुद्रा भंडार और कमजोर सोवियत संघ के साथ आर्थिक पतन के कगार पर था, जो सस्ते तेल और कच्चे माल के स्रोत के रूप में काम करता था। देश के आर्थिक संकट को हल करने के लिए, मनमोहन सिंह ने 1991 के बजट में आर्थिक सुधार पेश किए।

बैंक की स्थापना को लेकर वित्त मंत्री से हुआ था टकराव

मनमोहन सिंह ने अपनी बेटी दमन सिंह की लिखी गई किताब स्ट्रिक्टली पर्सनल: मनमोहन एंड गुरशरण में माना है कि आरबीआई गवर्नर रहते हुए उनके तत्कालीन वित्त मंत्री प्रणब मुखर्जी से कई गंभीर मुद्दों पर मतभेद रहे। इनमें एक मामला विदेशी बैंक- बैंक ऑफ क्रेडिट एंड कॉमर्स (बीसीसीआई) को भारत में कारोबार की अनुमति की मांग से जुड़ा था। इस बैंक का पाकिस्तान में भी करीब एक दशक पहले प्रचार हुआ था। 1980 के दशक में यह बैंक भारत में अपनी कुछ शाखाएं खोलना चाहता था। जहां एक तरफ सरकार चाहती थी कि रिजर्व बैंक इस विदेशी बैंक बीसीसीआई को लाइसेंस दे दे, वहीं मनमोहन सिंह भारत में इस बैंक की स्थापना के खिलाफ थे। जहां आरबीआई ने विदेशी बैंक के भारत आने की खिलाफत में अपना रुख कड़ा कर लिया था, वहीं सरकार ने रिजर्व बैंक को निर्देश दिया था कि वह बीसीसीआई के आवेदन को मंजूरी दे दे। इसी टकराव में तब इंदिरा कैबिनेट में एक प्रस्ताव आया था, जिसमें रिजर्व बैंक की विदेशी बैंकों को लाइसेंस देने की ताकत को छीनने की बात कही गई थी। इस मामले ने इतना तूल पकड़ लिया कि तब मनमोहन सिंह ने इसके विरोध में अपना इस्तीफा वित्त मंत्री प्रणब मुखर्जी और प्रधानमंत्री को भेज दिया था। हालांकि, सरकार ने उन्हें गवर्नर पद पर बने रहने के लिए मना लिया था। इतना ही नहीं इस दौर में ही ट्रैक्टर निर्माता कंपनी एस्कॉर्ट्स और डीसीएम को खरीदने की विदेशी उद्योगपति स्वराज पॉल की पेशकश पर भी प्रणब मुखर्जी और मनमोहन सिंह के बीच मतभेद रहा था।

गवर्नर रहते कई अहम सुधारों के रहे जनक

अर्थशास्त्री के तौर पर मनमोहन सिंह की अकादमिक योग्यता उनका सबसे बड़ा पक्ष थी। साथ ही वह ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी से डॉक्टरेट भी कर चुके थे। आर्थिक मामलों में अपनी जबरदस्त समझ के चलते उन्होंने भारत के बैंकिंग सेक्टर में कई कानूनी सुधारों में अहम भूमिका निभाई। उन्हीं के नेतृत्व में भारतीय रिजर्व बैंक कानून में भी एक पूरा चैप्टर जोड़ा गया और एक शहरी बैंक विभाग की भी स्थापना हुई।

1991 के बजट में आर्थिक सुधार पेश किए

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने अपनी पुस्तक 'टू द ब्रिंक एंड बैक इंडियाज 1991 स्टोरी' में लिखा था कि केन्द्रीय बजट प्रस्तुत होने के एक दिन बाद 25 जुलाई 1991 को सिंह बिना किसी पूर्व योजना के एक संवाददाता सम्मेलन में उपस्थित हुए, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उनके बजट का संदेश अधिकारियों की उदासीनता के कारण विकृत न हो जाए।' इस पुस्तक में जून 1991 में राव के प्रधानमंत्री बनने के बाद तेजी से आए बदलावों का जिक्र है। रमेश ने 2015 में प्रकाशित इस पुस्तक में लिखा कि वित्त मंत्री ने अपने बजट की व्याख्या की और इसे मानवीय बजट 'करार दिया। उन्होंने उर्वरक, पेट्रोल और एलपीजी की कीमतों में वृद्धि के प्रस्तावों का बड़ी दृढ़ता से बचाव किया।'' राव के कार्यकाल के शुरुआती महीनों में रमेश उनके सहयोगी थे। कांग्रेस में असंतोष को देखते हुए राव ने एक अगस्त 1991 को कांग्रेस संसदीय दल (सीपीपी) की बैठक बुलाई और पार्टी सांसदों को खुलकर अपनी बात रखने का मौका देने का फैसला किया।

बैंकों की स्थिति मजबूत करने के लिए दिखाई सख्ती

इतना ही नहीं मनमोहन सिंह बैंकों की स्वायत्तता के भी बड़े पक्षधर रहे। दरअसल, 1980 के दशक में बैंकों की तरफ से उनकी कुल जमा की राशि का 36 फीसदी अनिवार्य तौर पर सरकार के पास सुरक्षा गारंटी बॉन्ड के तौर पर रखने का प्रावधान था। इसे स्टैच्यूटरी लिक्विडिटी रेशियो (स्लर) यानी वैधानिक तरलता अनुपात भी कहा जाता है। मनमोहन सिंह के आरबीआई गवर्नर रहते सरकार इस एसएलआर को दो फीसदी और बढ़ाना चाहती थी। हालांकि, मनमोहन सिंह ने इस प्रस्ताव की खिलाफत कर दी और एसएलआर में बढ़ोतरी को गलत करार दिया। मनमोहन सिंह बैंकिंग प्रणाली में सुधारों की जरूरत को कितना महत्व देते थे, इसका अंदाजा 16 सितंबर 1984 को बैंक ऑफ महाराष्ट्र के स्थापना दिवस समारोह पर दिए गए उनके भाषण से लगाया जा सकता है। पुणे में उन्होंने भारत के बैंकिंग सिस्टम के लिए आने वाली चुनौतियों और जिम्मेदारियों का जिक्र किया था और 7वीं पंचवर्षीय योजना के लिए बैंकों को चर्चा करने को आमंत्रित किया था। उन्होंने उम्मीद जताई थी कि इस तरह के अभ्यासों से बैंकिंग सिस्टम में ढांचागत सुधारों, संगठनात्मक बदलावों को बल मिलेगा और इससे बैंकों को भारत के विकास कार्यों में सफलतापूर्वक अपना काम करने में मदद मिलेगी।

बैंकिंग सुधार-मौद्रिक नीति को लेकर सरकार से भिड़े थे मनमोहन

मनमोहन सिंह के वित्त मंत्री और प्रधानमंत्री रहने के दौर के कई किस्से प्रचलित हैं। फिर चाहे उनके संसद में शायरी पढ़ने से जुड़े वाकये हों या 1991 के आर्थिक संकट से देश को निकालने का पूरा घटनाक्रम। इन पर पूरे देश में कई बार चर्चाएं हुई हैं। हालांकि, मनमोहन सिंह के जीवन के जिस एक दौर की चर्चा सबसे कम हुई है, वह है उनका भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर के दौर के समय की। इंदिरा गांधी उन दूरदर्शी नेताओं में से रही हैं, जिन्होंने कई ऐसे उत्कृष्ट बुद्धजीवियों को राजनीति में शामिल किया, जिन्होंने आगे चलकर देश की नीतियों पर गहरा असर छोड़ा। फिर चाहे वह प्रणब मुखर्जी हों या मनमोहन सिंह। प्रधानमंत्री रहते हुए इंदिरा गांधी की नजर में मनमोहन सिंह 1980 के दशक में आए। उन्होंने तब मनमोहन सिंह, जो कि योजना आयोग के सदस्य-सचिव थे, को रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया का गवर्नर नियुक्ति किया। यह वो दौर था, जब आईजी पटेल के नेतृत्व में आरबीआई ने देश की आर्थिक स्थिति को बेहतर दौर में पहुंचा दिया था। मनमोहन ने 16 सितंबर 1982 को आरबीआई के गवर्नर के तौर पर पदभार संभाला और उनका कार्यकाल 14 जनवरी 1985 को तब समाप्त हुआ, जब उन्होंने देश की मौद्रिक नीति और बैंकिंग क्षेत्र में सुधार की नींव मजबूत कर दी थी।

पूर्व पीएम के बॉडीगार्ड रहे मंत्री असीम ने सुनाई दास्तां

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन के बाद उनके विनम्र स्वभाव और कर्तव्यों के प्रति समर्पण को उजागर करने वाली कई कहानियां सामने आई हैं। अपने शांत व्यवहार और संयमित भाषण के लिए जाने जाने वाले डॉ. सिंह के सहयोगियों ने आम आदमी के प्रति उनकी गहरी चिंता और अपनी जिम्मेदारियों के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करने वाले कई लेख साझा किए हैं। पूर्व पीएम के निधन पर यूपी के मंत्री असीम अरुण भावुक हुए हैं उन्होंने एक किस्सा भी बताया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर असीम अरुण ने डॉ. सिंह के निजी वाहन, मारुति 800 से संबंधित एक घटना का जिक्र किया, जो उनके कर्तव्यों के प्रति उनकी ईमानदारी और ईमानदारी को दर्शाता है। एक्स पर उन्होंने लिखा कि मैं 2004 से लगभग तीन साल उनका बॉडी गार्ड रहा। एसपीजी में पीएम की सुरक्षा का सबसे अंदरुनी घेरा होता है - क्लोज प्रोटेक्शन टीम जिसका नेतृत्व करने का अवसर मुझे मिला था। एआईजी सीपीटी वो व्यक्ति है जो पीएम से कभी भी दूर नहीं रह सकता। यदि एक ही बॉडी गार्ड रह सकता है तो साथ यह बंदा होगा। ऐसे में उनके साथ उनकी परछाई की तरह साथ रहने की जिम्मेदारी थी मेरी। डॉ साहब की अपनी एक ही कार थी - मारुति 800, जो पीएम हाउस में चमचमाती काली बीएमडब्ल्यू के पीछे खड़ी रहती थी। मनमोहन सिंह जी बार-बार मुझे कहते- असीम, मुझे इस कार में चलना पसंद नहीं, मेरी गाड़ी तो यह है (मारुति)। मैं समझाता कि सर यह गाड़ी आपके ऐश्वर्य के लिए नहीं है, इसके सिक्योरिटी फीचर्स ऐसे हैं जिसके लिए एसपीजी ने इसे लिया है। लेकिन जब कारकेड मारुति के सामने से निकलता तो वे हमेशा मन भर उसे देखते। जैसे संकल्प दोहरा रहे हो कि मैं मिडिल क्लास व्यक्ति हूं और आम आदमी की चिंता करना मेरा काम है। करोड़ों की गाड़ी पीएम की है, मेरी तो यह मारुति है। मैं 2004 से लगभग तीन साल उनका बॉडी गार्ड रहा। एसपीजी में पीएम की सुरक्षा का सबसे अंदरुनी घेरा होता है - क्लोज़ प्रोटेक्शन टीम जिसका नेतृत्व करने का अवसर मुझे मिला था। एआईजी सीपीटी वो व्यक्ति है जो पीएम से कभी भी दूर नहीं रह सकता।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

भारतीय जनमानस में हमेशा विराजमान रहेंगे मनमोहन!

एक बार तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह ने कहा था कि मैं मानता हूं कि अभी की मीडिया की तुलना में इतिहास मेरे प्रति दयालु होगा। इस बात में कोई दो राय नहीं है व एक ऐतिहासिक पुरूष हैं। वह अपने पीछे आर्थिक सुधारों, राजनीतिक स्थिरता और प्रत्येक भारतीय के जीवन के उत्थान के लिए समर्पण की विरासत छोड़ गए हैं।

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह अब नहीं रहे। देश के वित्तमंत्री के रूप में उन्होंने अभूतपूर्व काम किया। डूबे हुए अर्थव्यवस्था को पटरी पर ही नहीं लाए बल्कि भारत को दुनिया में एक मुकाम पर पहुंचाया। उनकी कल्पना शक्ति का परिणाम है कि आज भारत में दुनिया की हर चीज लगभग उपलब्ध है। उन्होंने पीएम रहते हुए भी कई ऐसे कानून दिये जो आज देश को लाभ पहुंचा रहे हैं। आज वह शरीर से हमारे बीच नहीं रहे हों पर उनके काम हमेशा याद किए जाएंगे। एक बार तत्कालीन प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह ने कहा था कि मैं मानता हूं कि अभी की मीडिया की तुलना में इतिहास मेरे प्रति दयालु होगा। इस बात में कोई दो राय नहीं है व एक ऐतिहासिक पुरूष हैं। वह अपने पीछे आर्थिक सुधारों, राजनीतिक स्थिरता और प्रत्येक भारतीय के जीवन के उत्थान के लिए समर्पण की विरासत छोड़ गए हैं। पहले एक टेक्नोक्रेट के रूप में, उसके बाद अर्थशास्त्री के रूप में और फिर भारत के प्रधान मंत्री के रूप में उनका कार्यकाल सामाजिक कल्याण पर ध्यान देने के साथ आर्थिक समृद्धि और विश्व मानचित्र पर भारत की स्थिति को मजबूत करने के लिए याद किया जाएगा।

कहना न होगा कि अपने शांत लेकिन लचीले नेतृत्व के लिए जाने जाने वाले, वह एक सिद्धांतवादी व्यक्ति थे जिन्होंने देखभाल, चिंता और देश के कल्याण के अलावा किसी भी चीज़ के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता के साथ कठोर निर्णय लिए। एक नेता के रूप में, डॉ. सिंह ने शायद ही कभी सुर्खियां बटोरीं हों, फिर भी उनके फैसले भारतीय समाज के हर पहलू और उससे परे गहराई से गूंजते रहे। इस तरह से राजनीतिक सहयोगियों, विरोधियों और विश्व नेताओं से उन्होंने जो विश्वास और सम्मान अर्जित किया, वह उनके गहरे प्रभाव का प्रमाण है। उन्होंने पंजाब विश्वविद्यालय से स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर की पढ़ाई पूरी की। इसके बाद वह कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय गए, जहां से उन्होंने पीएचडी की उपाधि हासिल की। फिर उन्होंने ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से डी-फिल भी किया। उनकी पुस्तक इंडियाज एक्सपोर्ट ट्रेंड्स एंड प्रोस्पेक्ट्स फॉर सेल्फ सस्टेंड ग्रोथ भारत की व्यापार नीति की पहली और सटीक आलोचना मानी जाती है। मनमोहन ऐसे पीएम रहे हैं जो आरबीआई के गर्वनर भी रहे। जब वह गर्वनर थे तब रुपये पर उनके भी हस्ताक्षर नजर आता था। हालांकि एक उस दौर ऐसा भी था जब एक रुपये के नोट पर रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के गर्वनर के नहीं बल्कि वित्त सचिव के दस्तखत होते थे। ऐसे में जब मनमोहन सिंह वित्त सचिव बने तो उस समय जितने भी एक रुपय के नोट छापे गए उन सब में उनके ही हस्ताक्षर थे। हमेशा पूरे देश में याद किए जाएंगे। पूर्व पीएम डॉ. मनमोहन सिंह, देश की अर्थव्यवस्था के शिल्पी व जादूगर को विनम्र श्रद्धांजलि!

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

विविधता के ताने-बाने में एकजुट रहने का वक्त

विश्वनाथ सचदेव

'अतीत के बोझ तले दब कर तीव्र घृणा, ईर्ष्या, शत्रुता, संदेह का शिकार हो जाना स्वीकार्य नहीं होना चाहिए। आये दिन इस तरह के मुद्दे उठाना भी गलत है।' ये शब्द राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सर संघचालक मोहन भागवत के हैं, जो उन्होंने हाल ही में पुणे में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान कहे। संदर्भ भारत के विश्व गुरु होने के दावे का था और बात संभल, अजमेर, कन्नोज आदि शहरों में चल रहे अभियानों की थी। यह पहली बार नहीं है जब भागवत जी ने राष्ट्र की एकता और समाज में समरसता का संदेश देते हुए अतीत की घटनाओं का शिकार होने से बचने का संदेश दिया। पिछले दो-तीन साल में वे अलग-अलग मौकों पर इस आशय की बात कह चुके हैं। पुणे का उनका भाषण इस संदेश की नवीनतम कड़ी है। अवसर 'हिंदू सेवा महोत्सव' नाम से आयोजित कार्यक्रम का था। इस भाषण के दौरान उन्होंने इस बात को दुहराना जरूरी समझा कि 'मंदिर-मस्जिद के रोज नये विवाद निकाल कर कोई नेता बनना चाहता है तो ऐसा नहीं होना चाहिए। हमें दुनिया को दिखाना है कि हम एक साथ रह सकते हैं'।

सर संघचालक ने अपने इस भाषण में यह भी कहा कि अपनी ही बात को सही मानने की जिद भी उचित नहीं है। हमारी वजह से दूसरों को तकलीफ न हो, हमें इस बात का भी ध्यान रखना होगा। फिर, रामकृष्ण मिशन में क्रिसमस के अवसर पर बड़ा दिन मनाने का उल्लेख करते हुए उन्होंने यह भी कहा कि 'हम यह इसलिए कर सकते हैं क्योंकि हम हिंदू हैं'। भागवत जी के ये शब्द भरोसा दिलाने वाले हैं। आज की स्थिति में जबकि पुराने मुद्दे खोजकर सामने लाने की होड़-सी मची हुई है, इस तरह की बातें आश्वस्त करती हैं कि अभी सबकुछ हाथ से फिसला नहीं है। अभी सबकुछ बचाया जा सकता है। आवश्यकता यह कार्य ईमानदारी से करने की है। भागवत जिस पद पर हैं, और जिस आदर और श्रद्धा के साथ समाज का एक बड़ा तबका उनकी बात को सुनता है, उसे देखते हुए ऐसा लगना स्वाभाविक है कि उनकी बातों पर गौर किया जायेगा। समरसता के उनके संदेश को समझने का, उसके अनुरूप आचरण करने का ईमानदार प्रयास किया जायेगा। लेकिन, सनातन की दुहाई देकर जिस तरह का वातावरण कुछ ताकतें बना रही हैं, उससे संदेह होता है कि सर संघचालक जैसे व्यक्तित्व की बात उनके साथी और अनुयायी समझना चाहते भी हैं अथवा नहीं। एक ओर तो भागवत समरसता का संदेश देने की कोशिश कर रहे हैं, और दूसरी ओर कुछ व्यक्ति एक संप्रदाय विशेष के बहिष्कार की बात कह कर भारतीय समाज में कटुता फैलाने में लगे हैं।

यह माहौल कई-कई रूपों में सामने आ रहा है। पहले एक समुदाय के धर्मस्थल के नीचे मंदिर खोजे जा रहे थे, अब जीर्णोद्धार करने के नाम पर पुराने मंदिरों को सामने लाने की मुहिम चलायी जा रही है। हर सम्भव कोशिश हो रही है यह बताने की कि एक संप्रदाय के लोग हमारी आस्था-श्रद्धा के साथ खिलवाड़ करते रहे। लगभग 34 साल पहले हमने सांप्रदायिकता की आग को फैलने से रोकने के लिए एक कानून बनाया था- 15 अगस्त, 1947 को देश के पूजास्थलों की जो स्थिति थी उसे वैसा ही रखने का कानून। अयोध्या के राम मंदिर के प्रकरण को इससे मुक्त रखा गया था, क्योंकि वह मामला अदालत में चल रहा था। अब अयोध्या में भगवान राम का भव्य मंदिर बन चुका है। उम्मीद की जा रही थी कि इसके साथ ही एक संप्रदाय के धर्मस्थलों के नीचे मंदिर खोजने की कवायद भी समाप्त हो जायेगी। पर ऐसा होता दिख नहीं रहा। सवाल पूछा जाना चाहिए कि मंदिर की खोज के लिए की जाने वाली खुदाई कहां तक होगी? कहां जाकर रुकेगा यह क्रम?- 'मंदिर-मस्जिद तो बाद के हैं/ हम उससे पहले भी तो थे/ हम उससे पहले जो भी थे/ उस सच को जिंदा रखना है!' आज आवश्यकता उस साझे सच को याद करने की है। आरएसएस के मुखिया भागवत जी ने प्राचीन मंदिरों की खोज को रोकने की बात कह कर यही कहना चाहा है कि पीछे लौटने का यह क्रम अंतत: हमें आदि मानव की गुफा तक पहुंचा देगा। इसका मतलब आदि मानव हो जाना नहीं होगा- इसका मतलब मनुष्यता खो देना होगा। जंगल, गुफा, पत्थर, आग मनुष्यता के प्रारम्भ के बीज को फिर से बोना होगा। क्या यह स्वीकार है हमें? दांव पर हमारी मनुष्यता लगी है। सवाल अपने भीतर की मनुष्यता को बचाये रखने का है। पर जो कुछ होता दिख रहा है, वह बहुत आश्वस्त नहीं करता। सच कहें तो परेशान करने वाला है। मोहन भागवत ने कहा है कि भारत को एक उदाहरण प्रस्तुत करना है इस बात का कि अलग-अलग धर्मों के लोग मिल-जुलकर रह सकते हैं, जी सकते हैं।

गुरबत में उभरता चमकीला नगीना सुशीला मीणा

अरुण नैथानी

यह तो स्वयंसिद्ध तथ्य है कि प्रतिभाएं अभावों में पलती हैं। वैसे तो प्रतिभा का मूल स्वर प्राकृतिक होता है, जिसे कुशल प्रशिक्षण से ही तराशा और निखारा जा सकता है। ऐसे ही तमाम गुदड़ी के लालों ने अपनी नैसर्गिक प्रतिभाओं के बूते देश का गौरव बढ़ाया है। इन्हीं बातों को सिद्ध कर रही है राजस्थान के एक आदिवासी गांव की बारह साल की बेटी सुशीला मीणा। पिछले दिनों एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ जिसमें एक लड़की नंगे पांव सरकारी स्कूल की ड्रेस में एक सधे हुए एक्शन में क्रिकेट की तेज गेंद डाल रही है। किसी भले मानुस ने वो वीडियो सोशल मीडिया पर क्या डाला कि अब उसकी हर तरफ चर्चा है। संतरी से लेकर मंत्री ने तो देखा ही, क्रिकेट का बादशाह कहे जाने वाले भारत रत्न सचिन तेंदुलकर को भी इस वीडियो ने गहरे तक प्रभावित किया। उन्होंने उस वीडियो को अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर साझा क्या किया कि पूरे देश व क्रिकेट जगत में सुशीला सुर्खी बन गयी। सचिन ने भारत के तेज गेंदबाज रहे जहीर खान को वीडियो टैग कर कहा कि इस लड़की का बॉलिंग एक्शन तुम्हारे जैसा है।

जहीर ने भी उस एक्शन को सरल व खूबसूरत बताते हुए सचिन की बात पर सहमति जतायी। बेहद गुरबत में पली सुशीला मीणा बारह साल की है और एक सरकारी स्कूल में पांचवीं की छात्रा है। उसके माता-पिता को भी नहीं पता कि उसमें क्रिकेट का जुनून कैसे पैदा हुआ। वह तीन साल से क्रिकेट खेलती है। गांव के आसपास अच्छा खेल का मैदान नहीं है। मजदूरी व खेती से जीवन यापन करने वाले रतनलाल मीणा व मां शांति बाई ने जैसे-तैसे गृहस्थी चलाई, मगर बेटी के सपनों को जिंदा रखने का प्रयास किया। वे उसके लिए किसी तरह बॉल आदि का जुगाड़ तो कर लेते थे, लेकिन प्रशिक्षण देने की बात नहीं सोच सकते थे। उन्हें व सुशीला को उस तरह की क्रिकेट की समझ भी नहीं थी। हां, उसके क्रिकेट में रुचि रखने वाले टीचर ईश्वर लाल मीणा का प्रोत्साहन उसे जरूर मिला।

बहरहाल, सोशल मीडिया की बदौलत राजस्थान के प्रतापगढ़ स्थित रामेर तालाब गांव की रहने वाली सुशीला मीणा आज सुर्खियों की सरताज है। बताते हैं कि उसकी गेंदबाजी का एक्शन न केवल सधा हुआ बल्कि वह मध्यम गति के तेज गेंदबाजों की गति से गेंद डालती है। बाद में उसका बैटिंग करते हुए वीडियो भी सामने आया है, जिसमें वह क्रीज से बाहर निकलकर रोहित शर्मा के अंदाज में छक्के लगाती नजर आती है। देश को इस नवोदित क्रिकेटर से बहुत उम्मीदे हैं। पांचवीं में पढ़ने वाली सुशीला बताती है कि मेरे गुरुजी ने मुझे गेंदबाजी करना सिखाया। वैसे तो मैं तीन साल की उम्र से गांव के बच्चों के साथ क्रिकेट खेलती रही हूं, लेकिन स्कूल में आने के बाद बहुत कुछ सीखने को मिला। मेरे गुरुजी ईश्वरलाल जी ने मुझे तेज गेंद फेंकने का तरीका बताया। फिर मैंने पढ़ाई के साथ बॉलिंग और बैंटिग करना शुरू किया।

मैं दिन में दो घंटे क्रिकेट खेलती हूं। सचिन तेंदुलकर जी का ट्वीट करना मुझे अच्छा लगा। मैं आगे जाकर देश का नाम रौशन करना चाहती हूं। राजस्थान की उप मुख्यमंत्री ने मुझे फोन करके मेरा हौसला बढ़ाया। मुझे अच्छा लग रहा है। बहरहाल, सोशल मीडिया से सुर्खियों में आने के बाद मीणा समाज से लेकर क्रिकेट प्रेमी तक उसकी मदद करने के लिये आगे आ रहे हैं। कोई बैट लेकर आ रहा है तो कोई बॉल। कोई पैसे से परिवार की मदद कर रहा है। निस्संदेह, प्रतिभाएं जन्मजात होती हैं, उन्हें बेहतर अवसर और प्रशिक्षण देने की जरूरत है। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद पूरे देश से इस बिटिया को आशीर्वाद मिल रहा है। राजस्थान की उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने उसे फोन करके प्रोत्साहित किया है और उसे जयपुर बुलाया है। राजस्थान सरकार के खेल मंत्री राज्यवर्धन राठौर ने उसे पर्याप्त सुविधा और प्रशिक्षण का वायदा किया है। यहां तक कि राजस्थान रॉयल्स ने उसे अपनी एकेडमी से जोड़ने का वायदा किया है जो नई प्रतिभाओं को क्रिकेट के हुनर से निखारती है। जहां से कई राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी निकले हैं।

उम्मीद की जानी चाहिए कि इस प्रतिभा को अब नंगे पैर बॉलिंग नहीं करनी पड़ेगी और उसे आगे पढ़ाई व प्रशिक्षण के बेहतर अवसर मिल सकेंगे। इस बात का श्रेय सोशल मीडिया को भी दिया जाना होगा कि उसने एक छिपी प्रतिभा को राष्ट्रीय मंच पर चर्चित बना दिया। अन्यथा देश में कोने-कोने में बिखरी प्रतिभाएं सहयोग, संबल व आर्थिक दिक्कतों के कारण दम तोड़ देती हैं। कमोवेश क्रिकेट ही नहीं अन्य खेलों के गरीब खिलाड़ियों की भी यही त्रासदी रही है कि हम उन्हें बेहतर अवसर नहीं दे पाए और ना ही उनकी प्रतिभा को निखार पाए। यह विडंबना ही है कि देश में ऐसे गुदड़ी के लालों को तलाशने और निखारने का कोई योजनाबद्ध कार्यक्रम नहीं चलाया जाता। जब कोई प्रतिभा नजर आती है तो सब गुणगान तो करते हैं, लेकिन नई प्रतिभा की तलाश नहीं होती। राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय खेल स्पर्धाओं में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को करोड़ो रुपये देने के बजाय हम उभरती प्रतिभाओं को तलाशकर निखारें तो हमें कई नगीने मिल सकते हैं।

काली मिर्च और हल्दी

इस समस्या को दूर करने के लिए काली मिर्च और तुलसी के पत्तों को उबाल कर गाढ़ा काढ़ा बना लें। रात को सोने से पहले इसे दूध में डालकर पीएं। हल्दी, काला नमक और काली मिर्च में पानी डालकर उबाल लें। इसके बाद इस पानी से दिन में 2 बार गरारे करें। इससे आपकी समस्या कुछ दिनों में ही दूर हो जाएगी।

टॉन्सिल में राहत देंगे ये घरेलू उपाय

शहद और दालचीनी

शहद और दालचीनी दोनों ही आयुर्वेद और घरेलू नुस्खे के हिसाब से बेहद महत्वपूर्ण है। एंटीबैक्टीरियल गुणों सो भरपूर दालचीनी पाउडर और शहद को मिलाकर दिन में 3 बार सेवन करें। उससे गले में टॉन्सिल की समस्या दूर हो जाएगी। दो चुटकी पिसी हुई हल्दी, आधी चुटकी पिसी हुई कालीमिर्च और एक चम्मच अदरक के रस को मिलाकर आग पर गर्म कर लें और फिर शहद में मिलाकर रात को सोते समय लेने से दो दिन में ही टॉन्सिल की सूजन दूर हो जाती है।

गले में टॉन्सिल की समस्या लोगों में आम देखने को मिलती है। इस बीमारी में गले के अंदर दोनों तरफ मांस में गांठ बन जाती है। इसके कारण गले में सूजन, तेज दर्द और बोलने में परेशानी हो जाती है। इसके अलावा इससे खाने का स्वाद भी नहीं पता चलता। कुछ लोग इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए दवाइयों का सेवन करते है लेकिन कुछ घरेलू तरीके अपनाकर आप इस समस्या से छुटकारा पा सकते है। गर्म पदार्थों के सेवन के पश्चात ठंडे पदार्थों का सेवन कदापि न करें। सर्दी लगने से, मौसम के अचानक बदल जाने से, जैसे गर्म से अचानक ठंडा हो जाना तथा दूषित वातावरण में रहने से भी कई बार टॉन्सिल बढ़ जाते हैं। इस रोग के होते ही ठण्ड लगने के साथ बुखार भी आ जाता है, गले पर दर्द के मारे हाथ नहीं रखा जाता और थूक निगलने में भी परेशानी होती है।

हर्बल चाय

ग्रीन टी में लौंग, इलायची और दालचीनी मिलाकर पीने से गले में जमे बैक्टीरिया और कीटाणु धीरे-धीरे मर जाते हैं, जिससे यह समस्या दूर हो जाती है। आप चाहें तो इसकी जगहें अदरक और शहद की चाय बनाकर भी पी सकते है। तुलसी की मंजरी के चूर्ण का उपयोग भी किया जा सकता है। इसके अलावा एक गिलास पानी में एक चम्मच अजवायन डालकर उबाल लें। इस पानी से गरारे और कुल्ला करने से टॉन्सिल में आराम मिलता है।

इन चीजों से करें परहेज

टॉन्सिल की समस्या होने पर आपको खट्टी-मीठी, तीखी और ठंडी चीजों का सेवन बंद कर देना चाहिए। इससे आपकी यह समस्या और भी बढ़ सकती है। इसके अलावा भोजन में अधिक तेल मसाले का प्रयोग न करें। ऐसे फलों और आहार से परहेज करें जिनकी तासीर ठंडी होती है जैसी कि अनानास, खुबानी, केला, संतरा, आड़ू, खरबूजा, पपीता और सेब। भोजन करने के बाद हमेशा 2-3 तुलसी की पत्तियों को साफ करके चबाएं।

दूध

दूध में 1/2 टीस्पून हल्दी डालकर उबाल लें। इसके बाद इसमें मिश्री या शक्कर मिलाकर रात को सोने से पीएं। इसका सेवन करने से आपकी यह समस्या 2-3 दिन में दूर हो जाएगी। इसके अलावा गर्म (गुनगुने) पानी में एक चम्मच सेंधा नमक डालकर गरारे करने से गले की सूजन में काफी लाभ होता है। दालचीनी को पीस कर चूर्ण बना लें। चुटकी भर चूर्ण लेकर शहद में मिलाकर प्रतिदिन 3 बार चाटने से टॉन्सिल के से लाभ होता है।

सिंघाड़ा

शरीर में आयरन की कमी से होने वाली टॉन्सिल की समस्या होने पर सिंघाड़े का सेवन करें। इससे यह समस्या दूर भी हो जाएगी और शरीर में आयरन की कमी भी पूरी हो जाएगी। टॉन्सिल होने पर सिंघाड़े को पानी में उबालकर उसके पानी से कुल्ला करने से आराम होता है। इसके अलावा भोजन में बिना नमक की उबली हुई सब्ज़ियां खाने से टॉन्सिल में जल्दी आराम आ जाता है। मिर्च-मसाले, ज्यादा तेल की सब्ज़ी, खट्टी व ठंडी वस्तुओं का सेवन नहीं करना चाहिए।

हंसना मना है

मां- बेटा क्या कर रहे हो? बेटा-पढ़ रहा हूं मां.. मां- शाबाश! क्या पढ़ रहे हो? बेटा- आपकी होने वाली बहु के एसएमएस, दे थप्पड़, दे थप्पड़!

पति और पत्नी का जोरदार झगड़ा होता है। पति गुस्से से- तेरी जैसी 50 मिलेंगी। पत्नी हंसके- अभी भी मेरी जैसी ही चाहिए!

लड़की वाले लड़का देखने गए, बोले- कितना कमा लेते हो? लड़का- इस महीने दो करोड़ कमाया। लड़की वाले- फिर क्या हुआ? लड़का- बस, फिर मोबाइल में तीन पत्ती हेंग हो गया, और सारी कमाई चली गयी।

टीचर- मैं दो वाक्य दूंगा उसमें आपको अंतर बताना है। पहला वाक्य- उसने बर्तन धोए। दूसरा वाक्य- उसे बर्तन धोने पड़े। पप्पू - पहले वाक्य में कर्ता अविवाहित है। और दूसरे वाक्य में कर्ता विवाहित है।

पत्नी- कहां हो? पति- याद है, पिछली दीपावली पर एक ज्वेलरी की दुकान में गये थे, जहां तुम्हें एक हार पसंद भी आया था। पत्नी- हां! पति- और उस समय मेरे पास पैसे नहीं थे। पत्नी- हां! हां! याद है। पति- फिर मैंने कहा था ये हार मैं तुम्हें लेके दूंगा। पत्नी- हां हां हां.. बहुत अच्छी तरह से याद है। पति- तो बस उसी की बगल वाली दुकान में बाल कटवा रहा हूं, थोड़ा लेट आऊंगा!!

कहानी — भूखी चिड़िया

सालों पहले एक घंटाघर में टींकू चिड़िया अपने माता-पिता और 5 भाइयों के साथ रहती थी। टींकू चिड़िया छोटी सी थी। उसके पंख मुलायम थे। उसकी मां ने उसे घंटाघर की ताल पर चहकना सिखाया था। घंटाघर के पास ही एक घर था, जिसमें पक्षियों से प्यार करने वाली एक महिला रहती थी। वह टींकू चिड़िया और उसके परिवार के लिए रोज रोटी का टुकड़ा डालती थी। एक दिन वह बीमार पड़ गई और उसकी मौत हो गई। टींकू चिड़िया और उसका पूरा परिवार उस औरत के खाने पर निर्भर था। एक दिन भूख से बेहाल होने पर टींकू चिड़िया के पिता ने कीड़ों का शिकार करने का फैसला किया। काफी मेहनत करने के बाद उन्हें 3 कीड़े मिले, जो परिवार के लिए काफी नहीं थे। वे 8 लोग थे, इसलिए उन्होंने टींकू और उसके 2 छोटे भाइयों को खिलाने के लिए कीड़े साइड में रख दिए। इधर, खाने की तलाश में भटक रही टींकू, उसके भाई और उसकी मां ने एक घर की खिड़की में चोंच मारी, ताकि कुछ मिल जाए, लेकिन कुछ नहीं मिला। उल्टा घर के मालिक ने उनपर राख फेंक दी, जिससे तीनों भूरे रंग के हो गए। उधर, काफी तलाश करने के बाद टींकू के पिता को एक ऐसी जगह मिली, जहां काफी संख्या में कीड़े थे। उनके कई दिनों के खाने का इंतजाम हो चुका था। वह जब खुशी-खुशी घर पहुंचा, तो वहां कोई नहीं मिला। वह परेशान हो गया। तभी टींकू चिड़िया, उसका भाई और मां वापस लौटे, तो पिता उन्हें पहचान नहीं पाए और गुस्से में उन्होंने सबको भगा दिया। टींकू ने पिता को समझाने की काफी कोशिश की। उसने बार-बार बताया कि किसी ने उनके ऊपर रंग फेंका है, लेकिन टींकू के हाथ असफलता ही लगी। उसकी मां और भाई भी निराश हो गए, लेकिन टींकू ने हार नहीं मानी। वह उन्हें लेकर तालाब के पास गई और नहलाकर सबकी राख हटा दी। तीनों अब अपने पुराने रूप में आ गए। अब टींकू के पिता ने भी उन्हें पहचान लिया और माफी मांगी। अब सब मिलकर खुशी-खुशी एक साथ रहने लगे। उनके पास खाने की भी कमी नहीं थी।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — अपनी वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवेक से कार्य करें। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से लाभ होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी।

वृषभ — पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। मनोरंजन का समय मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। मनपसंद भोजन का आनंद मिलेगा। कारोबारी वृद्धि की योजना बनेगी।

मिथुन — बुरी खबर प्राप्त हो सकती है। दौड़धूप अधिक होगी। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। काम में मन नहीं लगेगा।

कर्क — थकान व कमजोरी रह सकती है। खान-पान पर ध्यान दें। घर-परिवार की चिंता बनी रहेगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। समय अच्छा व्यतीत होगा।

सिंह — विवाद को बढ़ावा न दें। हल्की हंसी-मजाक करने से बचें। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। आत्मसम्मान बनेगा। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी।

कन्या — उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति पर व्यय होगा। व्यापार लाभदायक रहेगा। कोई बड़ा कार्य होने से प्रसन्नता रहेगी।

तुला — स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। बनते काम बिगड़ सकते हैं। तनाव रहेगा। व्यापार ठीक चलेगा। यात्रा में विशेष सावधानी रखें।

वृश्चिक — दूर से अच्छे समाचार प्राप्त होंगे। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है, प्रयास करें। यात्रा मनोरंजक रहेगी। प्रसन्नता बनी रहेगी।

धनु — आज पैसे के लेन-देन में बिलकुल भी जल्दबाजी न करें। नौकरीपेशा का समय अनुकूल है। घर में कोई आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने से खिन्नता रहेगी।

मकर — वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। कानूनी अड़चन दूर होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। मनोरंजन के साधन प्राप्त होंगे।

कुम्भ — मित्रों तथा रिश्तेदारों का सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। मनोरंजन होगा। चोट व दुर्घटना से हानि संभव है। जल्दबाजी व लापरवाही भारी पड़ सकती है।

मीन — बुद्धि का सही प्रयोग लाभ दिला सकता है, यह याद रखें। किसी प्रभावशाली व्यक्ति का मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होगा। किसी घरेलू समस्या का निवारण हो सकता है।

बॉलीवुड | मन की बात

मेरी टीनएज लव स्टोरी का हुआ था दुखद अंत : विवेक ओबेराय

विवेक ओबेरॉय अक्सर अपनी लाइफ में मिले हार्टब्रेक और स्ट्रगल से उबरने के बारे में बात करते हैं। वो बताते रहे हैं कि अपनी पत्नी प्रियंका अल्वा से मिलने से पहले उन्होंने इमोशनली कितना स्ट्रगल किया है। अब विवेक ने अपनी एक पर्सनल स्टोरी शेयर करते हुए बताया है कि कैसे एडल्ट लाइफ की शुरुआत में उन्हें एक चैलेंजिंग फेज का सामना करना पड़ा था क्योंकि उनकी टीनएज गर्लफ्रेंड की जान कैंसर के कारण चली गई थी। विवेक ने बताया कि उस लड़की के साथ वो अपना भविष्य सोचने लगे थे। लेकिन इस घटना के बाद वो बुरी तरह बिखर गए थे। उन्होंने बताया कि उनकी टीनएज लव स्टोरी के इस दुखद अंत ने उन्हें एक इंसान के तौर पर किस तरह बदला। मेरी लाइफ में बहुत पहले, मेरे बचपन की स्वीटहार्ट- वो 12 साल की थी, मैं 13 का था, और हम डेट कर रहे थे। हम एक रिलेशनशिप में आ चुके थे जब मैं 18 का था और वो 17 की थी। मुझे लगा- बस अब यही है, यही वो लड़की है। मैं सपने देखता था कि हम साथ कॉलेज जा रहे हैं, शादी कर रहे हैं, और बच्चे हो रहे हैं। मेरे दिमाग में मेरी लाइफ प्लान हो चुकी थी विवेक ने मेन्स एक्सपी को बताया। उन्होंने आगे बताया कि कैसे वो अपनी गर्लफ्रेंड के देहांत से अफेक्ट हुए थे। विवेक ने कहा, मैं उसे कॉल करता रहा लेकिन वो जवाब नहीं दे रही थी। उसने पहले ये बताया था कि वो ठीक नहीं फील कर रही, और मुझे लगा था कि उसे बस जुकाम हुआ है। जब मेरी उससे या उसके परिवार से कोई बात नहीं हो पा रही थी तो मैंने उसके कजिन को कॉल किया, जिसने बताया कि वो हॉस्पिटल में है। मैं तुरंत वहां भागा। हम 5-6 साल से रिलेशनशिप में थे और वो मेरे ख्वाबों की लड़की थी। फिर मुझे पता लगा कि वो एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकीमिया के फाइनल स्टेज में है। ये पूरी तरह शॉक था। हमने सबकुछ ट्राई किया, लेकिन दो महीने में वो गुजर गई। मैं टूट गया था और बिखर गया था। विवेक ने बताया कि इस घटना का असर उन पर इतना गहरा हुआ था कि लंबे वक्त तक उन्हें आते-जाते लोगों में वो दिखा करती थी, जबकि वो उसके अंतिम संस्कार में गए थे।

26 साल बाद बड़े पर्दे पर दोबारा दस्तक देगी सत्या

मनोज बाजपेयी अभिनीत और राम गोपाल वर्मा द्वारा निर्देशित 1998 की कल्ट क्लासिक सत्या एक बार फिर सिनेमाघरों में दस्तक देने जा रही है। सिनेमाघरों में पुरानी फिल्मों को दोबारा रिलीज करने के बढ़ते चलन के बीच यह कदम उठाया गया है। वहीं, इस बात की जानकारी खुद राम गोपाल वर्मा ने पोस्ट कर दी है।

राम गोपाल वर्मा के निर्देशन में बनी गैंगस्टर ड्रामा सत्या 17 जनवरी, 2025 को सिनेमाघरों में री-रिलीज होगी। जे.डी. चक्रवर्ती, मनोज बाजपेयी, सौरभ शुक्ला, उर्मिला मातोंडकर और आदित्य श्रीवास्तव अभिनीत यह फिल्म मूल रूप से 1998 में रिलीज हुई थी।

सत्या को गैंगस्टर फिल्मों में एक बेंचमार्क माना जाता है। फिल्म की कहानी अनुराग कश्यप और सौरभ शुक्ला ने लिखी है और इसमें मनोज बाजपेयी की भीकू म्हात्रे के रूप में पहली ब्रेकआउट भूमिका है। फिल्म में विशाल भारद्वाज का संगीत और गुलजार के गीत हैं, जिसमें सपनों में मिलती है और गोली मार भेजे में जैसे कुछ यादगार गाने शामिल हैं।

सत्या एक ऐसे आदमी की कहानी बताती है जो नौकरी खोजने के लिए मुंबई चला जाता है लेकिन शहर की तंगी में फंस जाता है। बाजपेयी द्वारा भीकू म्हात्रे का चित्रण विशेष रूप से उल्लेखनीय था और यह उनके करियर की सर्वश्रेष्ठ भूमिकाओं में से एक है। बाजपेयी ने शोले की री-रिलीज पर खुशी जताते हुए एक इच्छा जाहिर की थी जो अब पूरी हो गई है। अभिनेता ने कहा था, मैंने सुना है कि शोले भी फिर से रिलीज हो रही है, और इससे सिनेमाघरों में जाने और उन यादों को ताजा करने में दर्शकों की रुचि को फिर से जगाने में काफी मदद मिलेगी। यह एक शानदार पहल है। व्यक्तिगत रूप से, मैं स्वार्थी रूप से आशा करता हूं कि एक दिन सत्या को सिनेमाघरों में भी दोबारा रिलीज किया जाएगा।

राकेश मारिया की बायोपिक में मुख्य भूमिका निभायेंगे जॉन अब्राहम

इस साल नवंबर में आई रोहित शेट्टी की फिल्म सिंघम 3 बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरी। इस फिल्म की विफलता के बाद कॉप यूनिवर्स से उनका भरोसा उठ गया है। अब वे बायोपिक बनाने जा रहे हैं। हालांकि, बायोपिक पुलिस अधिकारी की है। इस फिल्म में जॉन अब्राहम के लीड रोल अदा करने की खबर है। जॉन अब्राहम ने खुद को इंडस्ट्री में एक्शन हीरो के रूप में स्थापित किया है। इस साल अगस्त में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर उनकी फिल्म वेदा रिलीज हुई। बॉक्स ऑफिस पर यह खास कमाल नहीं दिखा सकी। अब उनके हाथ एक बायोपिक लगी है। जिस फिल्म को रोहित शेट्टी बना रहे हैं, उसमें जॉन अब्राहम पुलिस अधिकारी की भूमिका अदा करेंगे। यह फिल्म भारतीय पुलिस अधिकारी राकेश मारिया की बायोपिक है। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि राकेश मारिया के जीवन पर बायोपिक बनाई जा रही है। इसमें 1993 के मुंबई बम विस्फोट, जावेरी बाजारा विस्फोट और 26/11 हमलों को सुलझाने के उनके सफर को दिखाया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक, राकेश मारिया मुंबई पुलिस के इतिहास में सबसे मशहूर पुलिसकर्मियों में से एक रहे हैं। उन्होंने 1981 से 2017 तक अपने कार्यकाल के दौरान मुंबई में हुए कई आतंकी हमलों के पीछे के जिम्मेदार गुनहगारों को पकड़ने के लिए में अहम भूमिका निभाई, वे महत्वपूर्ण मिशन का हिस्सा रहे। कहा जा रहा है कि इस किरदार को परदे पर अदा करने के लिए जॉन अब्राहम काफी उत्साहित हैं। उनका मानना है कि राकेश मारिया ने जिस श्रद्धा और समर्पण के साथ राष्ट्र की सेवा की है, यह फिल्म उनकी इसी विरासत को एक श्रद्धांजलि होगी। रिपोर्ट्स में तो यह भी दावा किया गया है कि फिल्म की शूटिंग साल 2025 के छमाही में शुरू होगी। फिलहाल फिल्म की स्क्रिप्ट पर काम चल रहा है। इसे इंडस्ट्री के नामी निर्माता बनाएंगे। इस फिल्म का निर्देशन रोहित शेट्टी करने वाले हैं। फिल्म का निर्माण रिलायंस एंटरटेनमेंट के बैनर तले होगा। इस फिल्म में राकेश मारिया के डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस (ट्रैफिक) से लेकर होम गार्ड्स के महानिदेशक बनने तक का सफर दिखाया जाएगा।

अजब-गजब | इसे कहा जाता है दुनिया का सबसे ठंडा शहर

ठंड में आइसक्रीम की तरह जम जाता है ये शहर

दुनियाभर में कई ऐसी जगहें हैं, जहां भयानक ठंड पड़ती है। शीतलहर की वजह से लोगों का बाहर निकल पाना भी मुश्किल होता है। कई बार तो ऐसी शीतलहर की वजह से लोगों की मौत भी हो जाती है। हर साल हमारे देश में ही ठंड की वजह से दर्जनों लोग मर जाते हैं। लेकिन आज हम आपको धरती के सबसे ठंडे शहर के बारे में बताने जा रहे हैं, जो दिसम्बर के महीने में पूरी तरह से आइसक्रीम की तरह जम जाता है। इस महीने इस शहर का तापमान -31 डिग्री से -41 डिग्री के बीच पहुंच जाता है। वहीं, महज चार घंटे के लिए सूरज की रोशनी नसीब होती है। हड्डियों को कंपा देने वाले इस शहर में शीतदंश और हाइपोथर्मिया जैसी बीमारी 'लगभग ठंड जितनी ही आम बात है'। इसलिए यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि याकुत्स्क को दुनिया के सबसे ठंडे शहर का बर्फीला खिताब मिला हुआ है। रूस के साइबेरिया में स्थित याकुत्स्क में 5 फरवरी 1891 को -64.4 डिग्री सेल्सियस का रिकॉर्ड न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया था, जबकि यह उत्तरी ध्रुव का सबसे नजदीकी शहर भी नहीं है।

बताया जाता है कि याकुत्स्क में भयानक सर्दी की एक खास वजह है, जिसमें यहां की नदी घाटी का शामिल होना है। ये घाटी ठंडी हवाओं को अपने बीच में फंसाए रखती है, जिससे एक उच्च दबाव प्रणाली डेवलप होती है। इस प्रणाली को आमतौर पर

साइबेरियन हाई के रूप में जाना जाता है। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, मौसम का यह पैटर्न आर्कटिक क्षेत्र से ठंडी हवाएं लाता है, जिससे याकुत्स्क में पर्माफ्रॉस्ट का अनुभव होता है। पर्माफ्रॉस्ट का मतलब ठंडे तापमान के कारण जमीन का स्थायी रूप से जम जाना होता है। याकुत्स्क शहर की कुल आबादी 3 लाख 55 हजार लोगों की है। हर साल यहां पर ठंड की वजह से सैकड़ों लोगों की मौत हो जाती है। इतना ही नहीं, भयानक ठंड के कारण यहां के लोगों में शीतदंश और हाइपोथर्मिया नाम की बीमारी बेहद 'आम' है। हाइपोथर्मिया में शरीर के अंदर की गर्मी पूरी तरह से खत्म हो जाती है। ऐसे में बाहरी गर्मी की आवश्यकता होती है। अगर बाहर से आग की गर्मी या फिर धूप न मिले तो और शरीर ठंडा होता चला जाए, तो मौत निश्चित है।

याकुत्स्क की रहने वाली यूट्यूबर किउन बी ने अपने एक वीडियो में बताया है कि वह कैसे क्रूर परिस्थितियों से निपटती हैं? साथ ही कैसे 'घने बर्फीले धुएं' ने साल के ज्यादातर समय सूरज को छिपाए रखा। उन्होंने कहा, यह किसी साइंस फिक्शन फिल्म के सीन जैसा है। बता दें कि किउन को बाहर रहने की वजह से नाक और गालों पर 'हल्का शीतदंश' भी हुआ, जिसकी वजह से उन्हें खुद को स्वस्थ रखने के लिए विटामिन डी और आयरन की खुराक लेनी पड़ती है, क्योंकि इस शहर में सूरज की रोशनी की कमी है। हालांकि, याकुत्स्क में -40 डिग्री सेल्सियस तापमान होने के बावजूद जीवन 'नहीं रुकता'। यहां के स्थानीय लोग अभी भी बाहर निकलते हैं, स्कूल जाते हैं और अपना काम करते हैं। सर्दी के बाद यहां के लोगों के लिए गर्मी भी कम खतरनाक नहीं होती। -40 डिग्री टेम्परेचर के बाद मई में यहां का तापमान बढ़ने लग जाता है। जुलाई के महीने में तो इस शहर का तापमान 26 डिग्री तक पहुंच जाता है। सितंबर तक गर्मी पड़ती है, फिर अक्टूबर से तापमान गिरने लगता है। बता दें कि याकुत्स्क दुनिया का सबसे ठंडा शहर है, लेकिन ओम्याकॉन गांव को दुनिया का सबसे ठंडा निवास स्थान माना जाता है, जिसकी आबादी लगभग 500 है।

20वीं सदी में बना था ये सिक्का दुनिया में है सबसे महंगा

आपने अक्सर सुना होगा कि अगर आपके पास कोई दुर्लभ बैंक नोट या सिक्का है तो उसे बेचकर आप अमीर बन सकते हैं। ऐसे कई लोगों से जुड़ी खबरें आती भी रहती हैं, जिनके हाथ दुर्लभ सिक्का लग जाता है और वो उसे निलाम कर देते हैं। हाल ही में ऐसे ही एक दुर्लभ सिक्के के काफी चर्चे हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इस सिक्के के बारे में बताया गया है, जिसे भी ये मिल गया तो वो करोड़पति बन जाएगा। चलिए आपको इसके बारे में पूरी जानकारी देते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका के इस सिक्के का नाम है गोल्ड डबल ईगल। 1933 में ये सिक्का बना था। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म टिकटॉक पर @CoinCollectingWi5ard नाम के यूजर ने इसके बारे में जानकारी दी है। आप सोचेंगे कि सिक्का इतना भी पुराना नहीं है, तो फिर ये इतना दुर्लभ क्यों है? दरअसल, ग्रेट डिप्रेशन के दौरान ऐसे 4,45,500 सिक्के बनाए गए थे, पर उन्हें अमेरिका के आधिकारिक सर्कुलेशन में शामिल नहीं किया गया था। अमेरिकी प्रेसिडेंट फ्रैंकलिन रूजवेल्ट ने उस दौर में गोल्ड कॉइन्स के प्रोडक्शन पर रोक लगा दी थी। उन्होंने नागरिकों से भी कह दिया था कि अगर उनके पास कोई सिक्का हो तो वो उसे लौटा दें। उस वक्त तक करीब 6 लाख सिक्के मिंट हो चुके थे। पर मिंट के एक कर्मचारी की चालाकी की वजह से ऐसे 10 सिक्के मिंट नहीं हो पाए थे। ये सिक्का उन्हीं में से एक है और यही कारण है कि बेहद दुर्लभ है। ये सिक्का आपको 100 करोड़ से ज्यादा रुपये दिला सकता है। माना जाता है कि जितने सिक्के बचे हैं वो किसी न किसी के पास है, पर लोग इसे छुपाकर रखते हैं। सीएनएन की एक 2021 की रिपोर्ट के अनुसार एक डबल ईगल गोल्ड कॉइन उसी साल न्यूयार्क में 161 करोड़ रुपयों में बिका था। ये सिक्का 20 डॉलर का था। 1944 में सीक्रेट सर्विस की ओर से घोषित कर दिया गया था कि अगर किसी के पास भी ये सिक्का मिला तो उसे चोरी किया हुआ मानकर कार्रवाई की जाएगी।

बीएमसी चुनाव में अकेले ताल ठोकेंगे उद्धव ठाकरे

» मुंबई में शिवसेना यूबीटी ने शुरू की कवायद

» तीन दिनों तक चलेगा विचार-विमर्श

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने 2025 में होने वाले बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनावों से पहले मुंबई में अपनी पार्टी की स्थिति का आकलन करने के लिए तीन दिवसीय समीक्षा शुरू की है। पार्टी नेता अनिल परब ने कहा कि उद्धव जी मुंबई के सभी नगरपालिका वार्डों में सेना (यूबीटी) की चुनाव तैयारियों का जायजा ले रहे हैं।यह आंतरिक मूल्यांकन, सभी 227 नगरपालिका वार्डों को कवर करता है।

शहर में, यह अटकलें बढ़ती जा रही हैं कि पार्टी महा विकास अघाड़ी (एमवीए) गठबंधन का हिस्सा रहते हुए स्वतंत्र रूप से निकाय चुनाव लड़ सकती है। 2022 में बाल ठाकरे द्वारा स्थापित शिवसेना में विभाजन के बाद, हाल ही में संपन्न विधानसभा चुनावों को उद्धव की पार्टी के लिए एक लिटमस टेस्ट के रूप में देखा गया, जो विपक्षी गुट महा विकास अघाड़ी (एमवीए) का एक घटक है। हालाँकि, एमवीए ने राज्य की 288 विधानसभा सीटों में से केवल 46 पर जीत हासिल की, जिसमें सेना (यूबीटी) की 20 सीटें शामिल थीं। मुंबई की 36 विधानसभा सीटों में से, सेना (यूबीटी) ने 21 निर्वाचन क्षेत्रों में चुनाव लड़ा और 10 पर जीत हासिल की। विचार-विमर्श तीन दिनों तक चलेगा। यह अभ्यास उस गुट के लिए एक चुनौतीपूर्ण अवधि का अनुसरण करता है, जो 2022 में बाल ठाकरे द्वारा स्थापित शिवसेना से अलग हो गया था।

संजय राउत ने भी दिया था संकेत

सेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने हाल ही में बीएमसी चुनावों में अकेले उतरने की संभावना का संकेत दिया था, जिसमें कहा गया था कि पार्टी कार्यकर्ता उम्मीदवारों की बहुतायत के कारण इस कदम पर दबाव डाल रहे थे। राउत ने कहा था कि उद्धव ठाकरे और पार्टी के अन्य नेताओं के बीच अकेले चुनाव लड़ने को लेकर बातचीत चल रही है। कार्यकर्ता चाहते हैं कि पार्टी अकेले चुनाव लड़े। अपने विभाजन से पहले, शिव सेना ने 1997 से 2022 तक 25 वर्षों के लिए एशिया के सबसे धनी नागरिक निकायों में से एक बीएमसी पर नियंत्रण रखा था। पिछले निर्वाचित प्रतिनिधियों का कार्यकाल 2022 की शुरुआत में समाप्त हो गया था, लेकिन नए चुनावों में देरी हुई है। अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) कोटा मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने तक राज्य भर में स्थानीय निकाय चुनाव रुक गए।

भाजपा के मंत्री ने आरपीएससी की साख को किया बंटाधार : बेनीवाल

» सांसद बोले- महिला मित्रों को बचाने के लिए एसआई परीक्षा रद्द नहीं होने दे रहे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल का एक ट्वीट जबरदस्त तरीके से वायरल हो रहा है। उन्होंने इसमें एसआई भर्ती को लेकर सरकार के दो मंत्री और सीएमओ के एक वरिष्ठ आईएएस पर गंभीर आरोप लगा दिए हैं। सांसद ने कहा भाजपा राजस्थान लोक सेवा आयोग की साख का बंटाधार कर रहे हैं। उन्होंने लिखा, सरकार के दो मंत्री और सीएमओ में बैठे वरिष्ठ आईएएस अधिकारी सब इंस्पेक्टर भर्ती को रद्द करने की सभी सिफारिशों पर इसलिए भारी पड़ रहे हैं।

क्योंकि इस भर्ती में उन मंत्रियों और आईएएस अधिकारी की महिला मित्रों का भी फर्जीवाड़े से चयन हो रखा है। सासंद हनुमान ने कहा कि राजस्थान में पुलिस उप-निरीक्षक की भर्ती परीक्षा में बड़े स्तर पर पेपर लीक होने के प्रमाण मिलने तथा राजस्थान लोक सेवा आयोग जैसी संस्था की साख बंटाधार होने व आरपीएससी सदस्यों की गिरफ्तारी होने के बावजूद राजस्थान की भाजपा सरकार पुलिस उपनिरीक्षक भर्ती को रद्द करने तथा विपक्ष में रहते हुए भर्ती घोटालों की जांच सीबीआई से करवाने जैसे की गई मांगों को भुला चुकी है। हर रोज होते पेपर लीक के मामलों ने राजस्थान के लाखों युवाओं के भविष्य पर प्रश्न चिह्न खड़ा कर दिया है।

प्रशासनिक व्यवस्था और सरकार की संवेदनशीलता पर भी गंभीर सवाल

यह मामला केवल परीक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि राज्य की प्रशासनिक व्यवस्था और सरकार की संवेदनशीलता पर भी गंभीर सवाल उठाता है। उन्होंने कहा कि एसओजी द्वारा एसआई भर्ती का पेपर लीक होने की प्रमाण सहित पुष्टि करने और भर्ती रद्द करने की सिफारिश करने, पीएचक्यू द्वारा भी इस भर्ती को रद्द करने की सिफारिश करने तथा इस मामले में गठित मंत्रिमंडलीय उप-समिति द्वारा भी इस भर्ती को रद्द करने की सिफारिश करने व एडवोकेट जनरल द्वारा भी इस भर्ती को रद्द करने की राय व्यक्त करने के बावजूद सरकार की एसआई भर्ती को रद्द करने की बात पर लंबे समय तक चुप्पी ने स्पष्ट कर दिया है कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार बेरोजगार युवाओं की समस्याओं और उनके भविष्य को लेकर पूरी तरह उदासीन है।

गृह मंत्रालय को लिखा था पत्र

हनुमान ने एसआई भर्ती को रद्द करने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा तथा केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को भी पत्र लिखा था। हनुमान ने कहा कि मेरे लिखे पत्र पर भारत सरकार के गृह मंत्रालय ने राजस्थान सरकार के मुख्य सचिव से जवाब तलब भी किया था। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से पुनः मांग करता हूं कि इस भर्ती को अविलंब रद्द करें। ताकि बेरोजगारों के साथ न्याय हो।

नीतीश रेड्डी ने बचाई भारतीय टीम की लाज

» तीसरे दिन भारतीय टीम ने नौ विकेट पर बनाये 358 रन

» वॉशिंगटन सुंदर ने भी जड़ा पचासा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मेलबर्न। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच मेलबर्न में बॉक्सिंग डे टेस्ट खेला जा रहा है। भारत ने तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक अपनी पहली पारी में नौ विकेट गंवाकर 358 रन बना लिए हैं। ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 474 रन बनाए थे। इस लिहाज से भारत अभी भी 116 रन पीछे है। नीतीश रेड्डी ने बेहतरीन शतक जड़ा। वह फिलहाल 105 रन बनाकर नाबाद हैं। उन्होंने 176 गेंद की अपनी पारी में अब तक 10 चौके और एक छक्का लगाया है। जिनकी बदौलत भारत फालोआन बचाने में कामयाब हो सका। और एक सम्मान जनक स्कोर तक टीम को पहुंचाया।

इस काम में नीतीश की नौवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे वॉशिंगटन सुंदर के साथ आठवें विकेट के लिए 127 रन की साझेदारी अहम रही। सुंदर 162 गेंद में एक चौके की मदद से 50 रन बनाकर आउट हुए। वॉशिंगटन सुंदर ने टेस्ट करियर का चौथा अर्धशतक जड़ा। इससे पहले यशस्वी जायसवाल 82 रन, रोहित शर्मा तीन, केएल राहुल 24 रन, विराट कोहली 36 रन और ऋषभ पंत 28 रन और रवींद्र जडेजा 17 रन बनाकर आउट हुए थे। जसप्रीत बुमराह और आकाश दीप खाता नहीं खोल सके। भारत ने शनिवार को पांच विकेट पर 164 रन से आगे खेलना शुरू किया और 194 रन जोड़े। इस दौरान भारत ने चार और विकेट गंवाए। शनिवार को पंत, जडेजा, बुमराह और सुंदर आउट हुए। खराब रोशनी की वजह से तीसरे दिन का खेल जल्दी खत्म हो गया।

ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट शतक लगाने वाले नीतीश तीसरे सबसे युवा भारतीय

नीतीश रेड्डी ने मेलबर्न में जारी बॉक्सिंग डे टेस्ट में शतक जड़ दिया है। उन्होंने 171 गेंद में बोलैंड की गेंद पर चौका लगाकर शतक लगाया। यह उनके अंतरराष्ट्रीय करियर का पहला शतक है। उन्होंने टेस्ट में पहली बार पचास से ज्यादा रन बनाए और उस पारी को शतक में बदल दिया। नीतीश इसी के साथ ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट में शतक लगाने वाले तीसरे सबसे युवा भारतीय बन गए हैं। उनसे आगे सिर्फ सचिन तेंदुलकर और ऋषभ पंत हैं। नीतीश के लिए यह शतक इसलिए भी खास है क्योंकि उनके पिता मुतयाला रेड्डी दर्शक दीर्घा में मौजूद हैं और यह मैच देख रहे हैं। अपने पिता के सामने शतक लगाने के बाद नीतीश भावुक भी हो गए। नीतीश ने 21 साल 216 दिन की उम्र में ऑस्ट्रेलिया में शतक लगाया। सचिन ने सिडनी में 18 साल 253 दिन की उम्र में शतक जड़ा था। वहीं, पंत ने सिडनी में 21 साल और 91 दिन की उम्र में शतक बनाया था। नीतीश ने शतक लगाने के बाद एक खास अंदाज में जश्न मनाया। वह घुटने के बल बैठ गए और हेल्मेट को बैट के हैंडल पर टांग और एक हाथ आसमान की ओर दिखाया। इस दौरान उनकी आंखें बंद थीं।

राजधानी आने पर वरिष्ठ अधिवक्ता गौरव सरीन का जोरदार स्वागत

» दिल्ली उच्च न्यायालय में नामित हुए वरिष्ठ अधिवक्ता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। दिल्ली उच्च न्यायालय के प्रबुद्ध अधिवक्ता गौरव सरीन विगत माह दिल्ली उच्च न्यायालय के द्वारा वरिष्ठ अधिवक्ता के रूप में नामित किये गए हैं। उक्त उपलब्धि के उपरान्त लखनऊ में प्रथम आगमन पर उनके मित्र अधिवक्ताओं ने एक समारोह में भव्य स्वागत किया। श्री सरीन के पिता न्यायमूर्ति मनमोहन सरीन जम्मू कश्मीर के मुख्य न्यायाधीश के पद से सेवानिवृत्त हुए हैं एवं उनकी पत्नी चारुल सरीन भी दिल्ली उच्च न्यायालय में अधिवक्ता के रूप में हजारों वादकारियों को न्याय दिलवाने हेतु प्रयासरत हैं।

लखनऊ के शालीमार गैलेन्ट के क्लब हाउस में आयोजित सम्मान समारोह एवं रात्रिभोज में सैकड़ों अधिवक्ता एवं प्रबुद्धजन

उपस्थित रहे। लोगों ने उन्हें उनकी पत्नी एवं पुत्र शौर्य सरीन जो ओपी जिंदल कॉलेज से विधि की शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं उनका माल्यार्पण एवं पुष्पगुच्छ दे कर स्वागत किया। इस अवसर पर श्री सरीन ने अपने सामाजिक कर्तव्यों एवं दीन, हीन और उपेक्षितों के अधिकारों की रक्षा का प्रण दोहराया। इस अवसर पर उनके सहयोगी एवं मित्र मोहम्मद हैदर, अधिवक्ता , उच्च न्यायालय भी उपस्थित रहे।

विवेक खंड मार्केट की सड़क पर दूध डेयरी का कब्जा

» शिकायतकर्ता के कई बार शिकायत के बाद भी लविप्रा मौन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण (लविप्र) का एक और नया कारनामा सामने आया है। विवेक खंड मार्केट में यादव दूध डेयरी ने अवैध तरीके से रास्ते में चबूतरा ही बनाकर कब्जा कर लिया है। इसकी वजह से लोगों को आने जाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

शिकायतकर्ता जनार्दन का कहना है एलडीए के अधिकारियों से कई बार शिकायत की गई पर एक बार भी न तो कारवाई की गई न तो किसी भी अधिकारी ने मेरी शिकायत करने पर कोई भी कार्रवाई की। उन्होंने कहा कि इससे ऐसा लगता है कि एलडीए के अधिकारियों की मिलीभगत से ही ये कब्जा कराया गया है।

किसी पार्टी के नहीं, एनडीए के सीएम हैं नीतीश : सुमन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गया। नीतीश कुमार किसी पार्टी के सीएम नहीं हैं। वे एनडीए के सीएम हैं। उक्त बातें आईटी मंत्री संतोष कुमार सुमन ने पत्रकारों से कही। वहीं, विजय कुमार सिन्हा द्वारा बिहार में भाजपा की सरकार बनने पर ही अटल बिहारी वाजपेयी को संपूर्ण श्रद्धांजलि मिलेगी के बयान पर उन्होंने कहा, ऐसा नहीं कहा गया। नीतीश सरकार की अगुवाई में कहा गया है। मामला स्लिप ऑफ टंग है। इन बातों को इतना उधेड़ना नहीं चाहिए। हम समझते हैं कि बिहार में एनडीए अटूट है।

एनडीए में पांच लोग हैं, सभी साथी एकजुट हैं। प्रदेश अध्यक्ष हैं, वह संयुक्त रूप से 15 जनवरी से बिहार का दौरा करेंगे। बिहार के सभी

विधानसभा क्षेत्रों में सम्मेलन होगा। बिहार में एनडीए चुनाव लड़ रही है। आगामी चुनाव में नीतीश के चेहरे पर चुनाव लड़ा जाएगा। मुखिया भी वही होंगे, इसमें कोई शंका जैसी कोई बात नहीं है। वहीं, नीतीश को भारत रत्न देने के सवाल पर मंत्री ने कहा कि बिहार में जो जंगलराज की कल्पना करते हैं, उस समय लालू प्रसाद यादव की सरकार थी।

पूर्व पीएम मनमोहन सिंह के स्मारक को लेकर केंद्र की राजनीति दुर्भाग्यपूर्ण : अशोक गहलोत

» बोले- जब जमीन देना ही था तो पहले ही क्यों नहीं घोषणा की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राजस्थान के पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने शनिवार को पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के स्मारक स्थल को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया में डॉ. मनमोहन सिंह की इज्जत है, जब वो बोलते थे तो दुनिया सुनती थी। केंद्र सरकार उनका स्मारक बनाने के लिए राजनीति कर रही है।

उन्होंने मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार के लिए राजघाट में जमीन आवंटन को लेकर केंद्र सरकार के स्पष्टीकरण पर कहा कि जब जमीन देना ही था तो पहले ही क्यों नहीं घोषणा की? जब देश भर से आवाज उठने लगी तब जाकर सरकार ने ये घोषणा क्यों की? एनडीए सरकार ने डॉ मनमोहन सिंह जी जैसे महान व्यक्तित्व के अंतिम संस्कार एवं स्मारक बनाने को लेकर अनावश्यक विवाद पैदा किया है. जिस व्यक्तित्व को दुनिया सम्मान दे रही है उनका अंतिम संस्कार भारत सरकार किसी विशेष स्थान की जगह निगम बोध घाट पर करवा रही है।

भैरो सिंह शेखावत और बाल ठाकरे की दिलाई याद

उन्होंने कहा कि साल 2010 में हमारी सरकार ने बीजेपी द्वारा मांग किए बिना ही पूर्व उपराष्ट्रपति भैरों सिंह शेखावत के निधन के बाद उनके परिवार से बात कर जयपुर में उनके अंतिम संस्कार के लिए तुरंत विशेष जगह आवंटित की एवं वहीं स्मारक निर्माण करवाया। कांग्रेस सरकार ने 2012 में महाराष्ट्र में बाल ठाकरे के निधन के बाद मुंबई के शिवाजी पार्क में विशेष स्थान आवंटित कर अंतिम संस्कार करवाया था।

दबाव के आगे झुकी केंद्र सरकार

कांग्रेस ने हमेशा सभी पार्टियों के नेताओं को सम्मानजनक विदाई दी। परंतु बीजेपी द्वारा डॉ. मनमोहन सिंह के साथ ऐसा व्यवहार दुर्भाग्यपूर्ण है। आज उनके निधन पर पूरा देश शोक में है। जब देश के लोगों ने सरकार के इस कदम पर नाराजगी जताई तब जनभावना के दबाव में बीजेपी सरकार भविष्य में स्मारक बनाने की घोषणा कर रही है।

कांग्रेस अध्यक्ष ने पीएम को लिखा था पत्र

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पीएम नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को फोन कर डॉ. मनमोहन सिंह के लिए स्मारक बनाने की मांग की थी। खरगे के फोन के जवाब में सरकार की तरफ से स्थल देने पर विचार करने के लिए दो-चार दिन का समय मांगा गया। इसकी जानकारी कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक में रखी गयी तो प्रियंका गांधी ने कहा कि ऐसे में अंतिम संस्कार के लिए मनमोहन सिंह को वीर भूमि या शक्ति स्थल का ही कोई हिस्सा दे दिया जाए, वहीं उनका समाधि स्थल भी बन सकता है।

भाजपा और एनडीए सरकार उन्हें उचित सम्मान देने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध : सुधांशु त्रिवेदी

भाजपा सांसद और पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता, डॉ सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा और एनडीए सरकार उन्हें उचित सम्मान देने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है, जिन्होंने देश के आर्थिक विकास के लिए एक प्रमुख नींव रखी। इसी के मद्देनजर कल कैबिनेट ने अपनी बैठक में फैसला किया कि मनमोहन सिंह की याद में एक स्मारक बनाया जाएगा और इस बात से कांग्रेस पार्टी को अवगत करा दिया गया। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को बताया कि सरकार ने एक स्मारक बनाने का फैसला किया है और भूमि अधिग्रहण, ट्रस्ट के गठन और भूमि के हस्तांतरण जैसी प्रक्रियाओं को पूरा करने के बाद जितना समय लगेगा, वह उचित रूप से और जल्द से जल्द किया जाएगा। उन्होंने आगे कहा, हालांकि, कांग्रेस पार्टी ने अपने जीवनकाल में कभी डॉ. मनमोहन सिंह का सम्मान नहीं किया। आज उनके निधन के बाद भी राजनीति करती नजर आ रही है। मैं देश को याद दिलाना चाहता हूं कि डॉ. मनमोहन सिंह नेहरू गांधी परिवार से बाहर देश के पहले प्रधानमंत्री थे, जिन्होंने 10 साल तक पीएम का पद संभाला था। कम से कम आज दुख की इस घड़ी में राजनीति से बचना चाहिए। जहां तक हमारी सरकार का सवाल है, पीएम मोदी की सरकार ने दलगत भावनाओं से ऊपर उठकर सभी नेताओं को सम्मान दिया है।

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में मुंबई क्राइम ब्रांच दायर करेगी चार्जशीट

» 26 की हुई गिरफ्तारी तीन अभी भी फरार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। मुंबई में एनसीपी नेता और शहर की नामचीन हस्तियों में शामिल बाबा सिद्दीकी की हत्या के मामले में मुंबई क्राइम ब्रांच जल्द ही चार्जशीट दायर करने की तैयारी में हैं। बताया जा रहा है कि मामले की जांच कर रहे मुंबई क्राइम ब्रांच के अधिकारी कुछ दिनों में चार्जशीट दायर करेंगी।

बताया जा रहा है कि इस मामले में कुल 26 गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दायर की जाएगी जिसमें तीन आटोपियों को फरार बताया जाएगा जिनके नाम शुभम लोनकर, जीशान अख्तर और लॉरेंस बिश्नोई का भाई अनमोल बिश्नोई है। सूत्रों ने यह भी दावा किया कि मुंबई क्राइम ब्रांच को हत्या की वजह को लेकर अब तक कोई ठोस चीज नही मिली है। मुम्बई क्राइम ब्रांच ने स्क्र डिस्प्यूट एंगल की भी जांच की पर पुलिस के हाथ ऐसा कुछ नही लगा जो इस ओर इशारा करे कि हत्या की वजह स्क्र प्रोजेक्ट रही होगी। एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस फिलहाल हत्या की वजह मान कर चल रही है कि बाबा सिद्धीकी सलमान खान के करीबी थे।

मणिपुर में फिर भड़की हिंसा, कई घायल

» मुख्यमंत्री बीरेन सिंह ने की निंदा, सुरक्षा कड़ी की गई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इंफाल। दो साल होने को हैं पर मणिपुर में हिंसा रूकने का नाम नहीं ले रहा है। दरअसल शनिवार को इंफाल के पूर्वी जिले में हमले व हिंसा से फिर माहौल खराब हो गया। इन हमलों में नागरिक और सुरक्षाकर्मी दोनों घायल हो गए। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने की निंदा की। हिंसा के एक नए प्रकोप में, इंफाल पूर्वी जिले के सनासाबी और थमनापोकपी गांवों में सशस्त्र हमलावरों के साथ गोलीबारी में कई नागरिक और सुरक्षाकर्मी घायल हो गए।

सीएम ने कहा कि इंफाल पूर्व के सनासाबी और थमनापोकपी में कुकी आतंकवादियों द्वारा की गई अंधाधुंध गोलीबारी की कड़ी निंदा करता हूं, जिसमें नागरिक और सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। निर्दोष जिंदगियों पर यह कायरतापूर्ण और अकारण हमला शांति और सद्भाव पर हमला है। इसके अलावा, सुरक्षा बलों ने पहाड़ी और घाटी दोनों जिलों के सीमांत और संवेदनशील क्षेत्रों में तलाशी अभियान और क्षेत्र प्रभुत्व चलाया। एनएच-37 और एनएच-2 पर आवश्यक आपूर्ति ले जाने वाले क्रमशः 115 और 326 वाहनों की आवाजाही भी सुनिश्चित की गई। मणिपुर में मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति में शामिल करने पर विचार करने के मणिपुर उच्च न्यायालय के निर्देश के खिलाफ पिछले साल 3 मई को ऑल ट्राइबल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ मणिपुर (एटीएसयूएम) की एक रैली के बाद मैतेई और कुकी समुदायों के बीच हिंसा भड़क उठी।

सुरक्षाकर्मी भेजे गए

प्रभावित इलाकों में पर्याप्त सुरक्षाकर्मी भेजे गए हैं। घायलों को आवश्यक चिकित्सा सहायता मिल रही है, और सरकार ऐसी चुनौतियों का सामना करने के लिए शांति और एकता का आह्वान करती है। ऐसी स्थितियों से निपटते समय केंद्रीय बलों और राज्य पुलिस को उचित समन्वय और समझ होनी चाहिए। शुक्रवार को, मणिपुर पुलिस, असम राइफल्स, वन विभाग और एक कार्यकारी मजिस्ट्रेट की एक संयुक्त टीम ने चुराचांदपुर जिले के टी. लंगोइमोल क्षेत्र में पोस्ता विनाश अभियान चलाया, जहां उन्होंने सात एकड़ पोस्ता के बागानों को नष्ट कर दिया। एक प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है, और अधिकारी खेती करने वालों की पहचान करने और उन्हें पकड़ने के लिए काम कर रहे हैं।

पंजाब सरकार को 'सुप्रीम' फटकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल को अस्पताल में भर्ती करने की अनुमति न देने के लिए पंजाब सरकार को फटकार लगाई। किसान नेता 26 नवंबर से ही अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठे हैं। उनकी स्वास्थ्य स्थिति बिगड़ रही है।

अदालत ने डल्लेवाल की बिगड़ती सेहत पर चिंता जताई और राज्य सरकार को आदेश दिया कि वह यह सुनिश्चित करे कि किसान नेता को चिकित्सा सहायता दी जाए। हालांकि, अदालत जगजीत सिंह डल्लेवाल को अस्पताल में भर्ती करने के राज्य के प्रयासों से असंतुष्ट है। अदालत ने किसान नेता को अस्पताल में भर्ती कराने के लिए मनाने के लिए 31 दिसंबर का समय दिया है। जस्टिस सूर्यकांत ने पंजाब के मुख्य सचिव से कहा, कृपया उन्हें समझाए कि जो भी उनके अस्पताल में भर्ती होने का विरोध कर रहे हैं, वे उनके शुभचिंतक नहीं हैं। पंजाब के एडवोकेट जनरल, मुख्य सचिव और डीजीपी के आश्वासन पर सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें उचित कदम उठाने के लिए और समय दिया है।

ब्लैकमेलिंग और भ्रष्टाचार का मतलब मध्यप्रदेश!

» सौरभ शर्मा की जंगल में खड़ी कार से बरामद हुआ था 52 किलो सोना

» नौकरानी ने ब्लैकमेल कर ऐंठे चार करोड़ रुपये, घर से बरामद हुआ 45 लाख कैश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। व्यापम घोटाले से सुर्खियों में आये मध्य प्रदेश में भ्रष्टाचार और ब्लैकमेलिंग आम बात हो गयी है। यह एक ऐसा राज्य है जहां मुख्यमंत्री से लेकर नौकरानी तक पर इस तरह के कार्यों में लिप्त होने के आरोप लगना आम बात है। अभी एक सिपाही के भष्टाचार की परतें ठीक से खुल भी नहीं पाई है कि एक नौकरानी के ब्लैकमेलिंग की कहानी ने रूह कपां दी है।

धार्मिक नगरी उज्जैन में एक 65 वर्षीय बुजुर्ग ज्योतिषी के घर काम करने वाली नौकरानी ने ब्लैकमेल कर उनसे करोड़ों रुपये ऐंठ लेने की खबर है। नौकरानी ज्योतिषी को लगातार ब्लैकमेल कर रही थी। नौकरानी के घर से 45 लाख रूपये से ज्यादा रूपया तो कैश में बरामद किया गया है। गौरतलब है कि महज कुछ दिन पहले सिपाही सौरभ शर्मा के करोड़ों रूपये क भ्रष्टाचार का मामला सामने आया था जिसमें जंगल में खड़ी कार से 52 किलो सोना बरामद हुआ था।

ये है मामला

मामला धर्म नगरी उज्जैन का है। यहां पर 65 वर्षीय बुजुर्ग ज्योतिषी को घर की ही नौकरानी मां, बहन, पति व प्रेमी के साथ मिलकर पिछले दो साल से ब्लैकमेल कर रही थी। उसने ज्योतिषी से करीब चार करोड़ रुपये ऐंठ लड़िए। आरोपी बुजुर्ग ज्योतिषी को अश्लील वीडियो के माध्यम से ब्लैकमेल कर रही थी। पीड़ित के बहू-बेटी ने पिता को परेशान देखकर पुलिस को इसकी शिकायत की। तब मामले का पर्दाफाश हुआ।

नौकरानी ने बुजुर्ग ज्योतिषी पर लगाए गंभीर आरोप

एसपी प्रदीप शर्मा ने प्रेस वार्ता करके इसका खुलासा किया। उन्होंने बताया, आरोपी नौकरानी ने बुजुर्ग ज्योतिषी को उनके अश्लील वीडियो के आधार पर और झूठे केस में फंसाने की धमकी देकर ब्लैकमेल कर रही थी। मामले की जांच कर रही टीम ने 24 घंटे के अंदर इसका खुलासा किया। नौकरानी की आय 7,000 हजार रुपये महीना थी, लेकिन जब घर पर दबिश दी गई तो ब्रांडेड कपड़े, फर्नीचर, प्रॉपर्टी के दस्तावेज और अन्य सामान बरामद हुए। आरोपी के घर से करीब 45 लाख रुपये नकद और 50 लाख रुपये के आभूषण बरामद हुए हैं। इसके बाद पुलिस का शक गहराया। आरोपियों को गिरफ्तार किया कर लिया है। कितने रुपये ऐंठे गए हैं, अबकी इसकी पूरी जांच की जा रही है। परिवार वालों के मुताबिक 2 से 3 करोड़ रुपये की ठगी हुई है। पुलिस टीम को 20,000 रुपये का इनाम दिया गया है। एसपी ने बताया कि दो दिन पहले ही नौकरानी ने बुजुर्ग से 10 लाख रुपये की और डिमांड की थी। बुजुर्ग की तबीयत बिगड़ी तो उन्होंने अपने बच्चो को बताया और शिकायत पुलिस तक पहुंची। पीड़ित बुजुर्ग के बहु-बेटे ने पिता को परेशान देख नीलगंगा थाने में शिकायत की।

राज्य में भ्रष्टाचार की बाढ़ : पूर्व सीएम

गौरतलब है कि मध्य प्रदेश एक ऐसे घाटाले का गवाह बना जो एक नजीर है। मध्य प्रदेश में व्यापम घाटाले में अरबो रूपयों का भ्रष्टाचार हुआ और दर्जनों जाने गयी। हो हल्ला खूब मचा लेकिन दोषियों पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। शायद यही कारण है कि मध्य प्रदेश धीरे-धीरे भ्रष्टाचार का साफ्ट हब बनता जा रहा है। यहां एक से बढ़कर एक और अजीबो गरीब किस्म के भ्रष्टाचार के किस्से सुनाई देते हैं। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने तो यहा तक कह दिया है कि मध्य प्रदेश भ्रष्टाचार की बाढ़ में बह गया है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज़ नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।